राजस्थान सरकार

कालेज शिक्षा विभाग, जयपुर

विद्यार्थी हित–केन्द्री अथवा संस्था/संकाय सदस्य विकास हेतु राजकीय महाविद्यालयों द्वारा क्रियान्वित/प्रारम्भ किये गये

1. महाविद्यालय का नाम : **राजकीय महाविद्यालय बून्दी**

2. स्थान का नाम एवं जिला : स्थान : **बून्दी**
   जिला : **बून्दी**

3. क्या महाविद्यालय 2f एवं 12B मान्यताप्राप्त है?: ☐
   2f हॉ ☐ नही ☐ 12B हॉ ☐ नही ☐

4. महाविद्यालय द्वार क्रियान्वित/प्रारम्भ किया गया श्रेष्ठ : A विद्यार्थी हित – केन्द्री : Online Certificate कार्य (Best Practice)/कार्यक्रम/नवाचार का नाम
   Courses: Spoken Tutorial- IIT Bombay-
   Libre Office Writer, Cell Designer,
   Faculty Development Programme

5. **क्रियान्वित/प्रारम्भ किये गये श्रेष्ठ कार्य (Best Practice)/कार्यक्रम/नवाचार का विवरण :–**

विद्यार्थी हित–केन्द्री नवाचार

Online Certificate Courses: Spoken Tutorial IIT Bombay

इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों हेतु तीन महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गये:–

1. **Libre Office**
2. **Cell Designer**
3. **Faculty Development Programme**

A (Best Practice) नवाचार के प्रारम्भ होने की तिथि एवं वर्ष :– 18.09.2017

B (Best Practice) नवाचार को प्रारम्भ करने के उददेश्य :–

- विद्यार्थियो में पारम्परिक ऑफ लाईन पाठ्यक्रम के साथ साथ ऑनलाईन पाठ्यक्रमों के प्रति रूचि पैदा करना।
- नवीन डिजिटल पाठ्य विधियों एवं तकनीक द्वारा ऑन लाईन पाठ्यक्रमों का स्वयं द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करना।
- विद्यार्थियों को आईटी आधारित कम्प्युटर कौशल में दक्ष करना।

- Foss के अन्तर्गत लिब्रे ऑफिस एवं सैल डिजायनर कोर्सेज का प्रशिक्षण प्रदान करना।

C क्रियान्वयन की रूपरेखा/योजना प्रारूपः–

- सर्वप्रथम महाविद्यालय द्वारा इस नवाचार की क्रियान्विति हेतु तकनीकी रूप से दक्ष नोडल अधिकारी सहित समिति का गठन किया गयाः

Nodal Faculty Officer:	**Dr Dilip Kumar Rathore** Asstt. Prof. in Botany, Govt. College Bundi	
Faculty Members:	i) **Dr. Vikas Kumar Sharma** Asstt. Prof. in Pol.Sci, Govt. College Bundi	
	ii) **Sh Manoj Kumar Tatwal** Asstt. Prof. in Maths, Govt. College Bundi	
	iii) **Dr Sanjay Bhalla** Asso. Prof. in ABST, Govt. College Bundi	
Student Volunteer:	i) **Rohit Rathore**	B.A. part-I
	ii) **Seetaram**	B.A. part-I
	iii) **Deepak Meena**	B.A. part-I

- नोडल अधिकारी द्वारा आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा आयोजित स्पोकन ट्यूटोरियल–आईआईटी बोम्बे की वर्कशाप (दिनांक 25.11.2016 एवं 25.01.2017) से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।
- विद्यार्थियों को इस नवाचार के प्रति अधिकाधिक प्रचार–प्रसार कर जानकारी दी गई तथा प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया।
- महाविद्यालय का स्पोकन ट्यूटोरियल–आईआईटी बोम्बे की वेबसाईट पर पंजीकरण किया गया।
- विद्यार्थियों को उक्त ऑनलाईन कोर्सेज की जानकारी देने के सम्बन्ध में एक दिवसीय सेमीनार का महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में दिनांक 27.01.2017 को किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- विद्यार्थियों से IT based computer skill development के अन्तर्गत Libre Office एवं Cell Designer ऑनलाईन कोर्सेज के आवेदन प्राप्त किये गये तथा सभी का कक्षावार वेबसाइट पर **दिसम्बर 2016** में पंजीकरण किया गया।
- महाविद्यालय के ई–क्लास रूम में **12 कम्प्यूटर** स्थापित कर लैब तैयार की गई।
- विद्यार्थियों में स्पोकन ट्यूटोरियल–आईआईटी बोम्बे के ऑनलाईन कोर्सेज के प्रति रूचि बढाने एवं संकाय सदस्यों को नवीन डिजिटल कोर्सेज की जानकारी देने के सम्बन्ध में Faculty Development Programme आयोजित किया गया।
- पंजीकृत विद्यार्थियों के कक्षावार बैच बनाकर **लिब्रे ऑफिस राइटर एवं सेल डिजाईनर** का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- **सेल डिजाईनर** प्रशिक्षणार्थियों का **ऑनलाईन टेस्ट** करवाया गया।
- सभी प्रशिक्षणार्थियों को ***आईआईटी बोम्बे द्वारा प्रदत्त प्रमाण–पत्र निःशुल्क*** प्रदान किये गये।

D वित्तीय संसाधनः आवश्यकता स्त्रोत एवं व्ययः–

महाविद्यालय के सभी नियमित विद्यार्थियों से Libre office के **कुल 673** एवं Cell Designer के **21** आवेदन प्राप्त हुए। विद्यार्थियों की अधिक संख्या को देखते हुए निम्न बिन्दुओं का विवरण इस प्रकार है–

आवश्यकता:

- 40–50 कम्प्यूटर सहित लैब जिसमें पॉवर बैकअप, हेडफोन/ईयरफोन, हाईस्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी, प्रिन्टर सहित आधारभूत सुविधाएं।
- प्रशिक्षण कक्षाएं सुचारू रूप से चलाने हेतु पर्याप्त मानव संसाधन।
- कम्प्युटर सहायक।

स्त्रोत:

- कम्प्युटर लैब– महाविद्यालय के ई–क्लास रूम में पूर्व में संचालित बीबीए कोर्स के एवं अन्य विभाग से कम्प्युटर प्राप्त कर 12 कम्प्युटर की लैब बनाई गई।
- अन्य संसाधनों की व्यवस्था ई–क्लास से तथा महाविद्यालय स्तर पर की गई।
- प्रशिक्षण कक्षाओं को चलाने एवं विद्यार्थियों की सहायता के रूप में महाविद्यालय के निम्न संकाय सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया – डॉ. मनोज कुमार रावत सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र, श्री राजेन्द्र प्रसाद सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र, श्रीमती हेमलता टॉक सहायक आचार्य– एबीएसटी, डॉ वन्दना आकोदिया सहायक आचार्य– रसायन शास्त्र।

व्यय:

- महाविद्यालय के छात्र निधी मद से आवश्यक स्टेशनरी, कम्प्युटर मरम्मत, ईअर फोन, लेन केबल इत्यादि की व्यवस्था की गई।

E (Best Practice) नवाचार से लाभार्थी कौन ?

विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य।

F (Best Practice) नवाचार की क्रियान्वित में संलग्न मानव संसाधन (प्रत्येक कार्यक्रमवार संलग्न व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करे) :

- आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा स्पॉकन ट्युटोरियल आईआईटी बोम्बे के तत्वाधान में आयोजित वर्कशॉप (दिनांक 25.01.2017 एवं 25.10.2017) में भाग लिया – डॉ0 दिलीप कुमार राठौड **नोडल अधिकारी एवं सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र।**
- राजकीय महाविद्यालय बून्दी में **एक दिवसीय सेमिनार** का आयोजन (दिनांक 27.01.2017)– **नोडल एवं समिति सदस्य।**
- विद्यार्थियों से प्राप्त आवेदन पत्रों की एक्सल सीट तैयार करने का कार्य – **नोडल एवं समिति सदस्य।**
- स्पॉकन ट्युटोरियल आईआईटी बोम्बे के वेब पेज पर विद्यार्थियों का बैच एवं कक्षावार पंजीकरण का कार्य – डॉ0 दिलीप कुमार राठौड **नोडल अधिकारी।**
- विद्यार्थियो को लिब्रे ऑफिस राईटर एवं सेल डिजायनर का प्रशिक्षण दिया गया – डॉ0 दिलीप कुमार राठौड **नोडल अधिकारी,** डॉ. मनोज कुमार रावत **सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र,** श्री राजेन्द्र प्रसाद **सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र,** श्रीमती हेमलता टॉक **सहायक आचार्य– एबीएसटी,** डॉ वन्दना आकोदिया **सहायक आचार्य– रसायन शास्त्र।**
- **सेल डिजायनर कोर्स का ऑनलाईन टेस्ट –**
  ऑर्गेनाईजर –डॉ. दिलीप कुमार राठौड, **सहायक आचार्य वनस्पति शास्त्र।**
  वीक्षक –श्री राजेन्द्र प्रसाद **सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र,** डॉ. विकास कुमार शर्मा **सहायक आचार्य–राजनीति विज्ञान,** श्री मनोज कुमार टटवाल **सहायक आचार्य–गणित।**

- संकाय सदस्यों हेतु Faculty Development Programme आयोजित किया गया जिसमें **राजकीय महाविद्यालय बून्दी** के 28 संकाय सदस्य व 9 मंत्रालयिक कर्मचारी, **राजकीय कन्या महाविद्यालय बून्दी** के 04 संकाय सदस्य तथा **एकलव्य महाविद्यालय बून्दी** के 03 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ दिलीप कुमार राठौड द्वारा स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे के ऑनलाईन कॉर्सेज की संपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही ई लर्निंग तथा ई टीचिंग विषय पर आधारित वर्कशॉप में नोडल अधिकारी द्वारा प्राप्त जानकारी को साझा किया गया तथा SWAYAM PORTAL के बारे में भी जानकारी दी गई। सभी संकाय सदस्यों को आईआईटी बोम्बे द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र वितरित किये गये।
- राजकीय कन्या महाविद्यालय बून्दी में सेमिनार का आयोजन – नोडल अधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार राठौड द्वारा कन्या महाविद्यालय बून्दी की छात्राओं को स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे द्वारा संचालित विभिन्न ऑन लाईन कोर्सेज की जानकारी दी गई।

G क्रियान्वयन के दौरान चिन्हित समस्याएं एवं समाधान –

समस्याएः

- ऑनलाईन कॉर्सेज करवाने हेतु आवश्यक मूलभूत संसाधनो की कमी।
- विद्यार्थियों में पारम्परिक पाठ्यक्रमों जैसे बीए/बीएससी/बीकॉम/बीएड/एसटीसी की लीक से हटकर अन्य कौशल विकास आधारित प्रोफेशनल कॉर्सेज के बारे में जानकारी ग्रहण करने व रूचि न लेने की प्रवृति।
- विद्यार्थियो में सरकारी नौकरी की चाह के चलते ऐसे कॉर्सेज को प्राथमिकता नही देना।
- नियमित कक्षाओं के संचालन के साथ साथ महाविद्यालयों में ऐसे कॉर्सेज चलाने में मानव संसाधन की कमी।
- महाविद्यालयों की वर्षभर आयोजित होने वाली परीक्षाओं, सेमेंस्टर प्रणाली तथा अन्य कार्यक्रमों के साथ इन कॉर्सेज को वर्ष पर्यन्त लागू करने में कठिनाई होना।

समाधान :

- महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनो का उचित समय प्रबंधन के साथ विद्यार्थियों को ऐसे ऑनलाईन कॉर्सेज का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। (प्राप्त कुल 694 आवेदनों में से 190 को प्रशिक्षण दिया जा चुका है)
- विद्यार्थियो को ऑन लाईन कॉर्सेज के प्रति रूचि व जागरूकता बढाने हेतु अधिक परिश्रमिक एवं आईटी दक्ष संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनार, स्थानीय पत्र पत्रिकाओं, नोटिस बोर्ड, महाविद्यालय वेबसाईट, सोशल मीडिया इत्यादि का बेहतरीन उपयोग किया जा सकता है।
- विद्यार्थियो को ऐसे कौशल कार्यक्रमों से प्रशिक्षित कर स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया जा सकता है।
- राजकीय महाविद्यालय में मानव संसाधन की कमी को पूरा करने के साथ साथ वर्ष पर्यन्त ऐसे कॉर्सेज चलाने हेतु प्रति महाविद्यालय एक कम्प्युटर सहायककर्मी की नियुक्ति आवश्यक है।
- महाविद्यालय में कम्प्युटर्स, प्रिन्टर्स, इन्टरनेट, पावर बैकअप इत्यादि आधारभूत सुविधाये होनी आवश्यक है।

H क्रियान्वयन से लाभ/उपलब्धि :

राजकीय महाविद्यालय बून्दी राजस्थान के सभी राजकीय महाविद्यालयों में से पहला ऐसा महाविद्यालय है जिसमें स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे के ऑनलाईन कॉर्सेज सर्वाधिक संख्या में एवं सफलतापूर्वक आयोजित कर विद्यार्थी हित में नवाचार किया गया। जिसमें महाविद्यालय की निम्न उपलब्धियॉ एवं लाभ रहे –

- विद्यार्थियों में आईटी आधारित कौशल विकास ऑनलाईन कॉर्सेज तथा Foss के प्रति रूझान में बढोतरी हुई।

- वर्ष 2017–18 में प्रशिक्षण के पश्चात् अन्य विद्यार्थियो द्वारा भी स्वैच्छा से आवेदन हेतु लगातार संपर्क करना।
- **महाविद्यालय द्वारा लिब्रे ऑफिस राईटर का 170 विद्यार्थियों को निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर आईआईटी बोम्बे द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र वितरित किये गये जो की पूरे राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों से सर्वाधिक संख्या है।**
- *राज्य का एक मात्र सरकारी महाविद्यालय जिसमें सर्वप्रथम सेल डिजायनर कॉर्स प्रारम्भ किया गया* तथा 19 विद्यार्थियो को निशुल्क प्रशिक्षण देकर महाविद्यालय में ही सफलतापूर्वक ऑनलाईन टेस्ट सम्पन्न किया गया।

I (Best Practice) नवाचार की लाभार्थी वर्ग तक जानकारी पहूँचाने हेतु किये गये प्रचार–प्रसार का माध्यम एवं पुनरावृति –

- नोडल समिति द्वारा महाविद्यालय के कक्षा कक्षो में जाकर उक्त कॉर्सेज की जानकारी दी गई एवं भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया।
- महाविद्यालय में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
- स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन किया गया।
- बून्दी जिले के तीनो महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों का Faculty Development Program आयोजित कर विद्यार्थियो तक इन कॉर्सेज की अधिकाधिक जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया गया।
- http://goo/gl/nBB5Hh link पर राजस्थान पत्रिका द्वारा प्रेस कवरेज उपलब्ध है।

J (Best Practice) नवाचार का फोटो/वीडियों रिकार्ड हो तो संलग्न करे – ***फोटो संलग्न।***

1. प्रशिक्षण प्राप्त करते विद्यार्थी एवं प्रेस कवरेज

स्मार्ट क्लास में बन रहे 'स्मार्ट'

लिब्रे ऑफिस-कम्प्यूटर कोर्स प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बूंदी. इन दिनों राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थी स्मार्ट क्लास में कम्प्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त कर स्मार्ट बन रहे हैं। जी हां आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के आदेशानुसार विगत सत्र 2016-17 में स्पोकन-ट्यूटोरियल, आईआईटी बोम्बे के ऑनलाइन सर्टिफि केट कोर्सेज प्रारम्भ किए गए हैं।
करीब 33 राजकीय महाविद्यालयों में यह कोर्स प्रारम्भ किया गया था, लेकिन बूंदी राजकीय महाविद्यालय में ही फिलहाल यह कोर्स प्रारम्भ हो पाया है। राजकीय महाविद्यालय की इस पहल से विद्यार्थियों को लिब्रे ऑफिस प्रशिक्षण से कम्प्यूटर की तकनीकी जानकारी हासिल हो रही है। महाविद्यालय में करीब 500 विद्यार्थी यह प्रशिक्षण ले रहे है।

बूंदी के राजकीय महाविद्यालय में प्रमाण पत्र वितरित करते व्याख्याता।

प्रमाण-पत्र का वितरण

स्पोकन-ट्यूटोरियल, आईआईटी बोम्बे के तत्वावधान में महाविद्यालय में लिब्रे ऑफिस (राईटर) कम्प्यूटर बेसिक कॉर्स का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जा रहा है। अब तक बीए द्वितीय वर्ष तथा बीएससी द्वितीय वर्ष के जिन विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है उनको आईआईटी बोम्बे द्वारा सोमवार को प्रदत्त प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक प्राचार्य एम.एल पहाड़िया ने की तथा संचालन नोडल ऑफिसर डॉ दिलीप कुमार राठौड़ ने किया।

नोडल अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर तथा आईआईटी बोम्बे की ओर से 25 अक्टूबर को जयपुर में आयोजित 104 राजकीय महाविद्यालयों के नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ था। राजकीय महाविद्यालय बून्दी से इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ दिलीप कुमार राठौड़ ने भाग लिया।

पीजी कॉलेज में हुआ सेमीनार का आयोजन

बूंदी, 28 जनवरी। पीजी कॉलेज के समीनार हॉल में शुक्रवार सुबह स्पॉकन ट्यूटोरियल आईआईटी बॉम्बे के तत्वावधान में एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन हुआ। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. एसके श्रृंगी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। नोडल अधिकारी व्याख्याता डॉ. दिलीप कुमार राठौड़ ने पीजी कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्सेज की स्पॉकन ट्यूटोरियल के माध्यम से विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि एलीमेन्ट्री कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स, लिब्रे ऑफिस, सी, ब्लेण्डर, ग्राफिक्स एण्ड फोटोग्राफिक एडिटिंग, वेबसाइट डवलपमेंट, एनीमेशन, सेल डिजाईनर, लाईनक्स, फायरफोक्स इत्यादि कई कोर्सेज आईआईटी बॉम्बे द्वारा स्पॉकन ट्यूटोरियल के माध्यम से विद्यार्थी बिना किसी शिक्षक की सहायता से प्रशिक्षण प्राप्त कर निःशुल्क सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे। यह कोर्स प्रतिवर्ष दो सेमेस्टर के रूप में संचालित होते हैं। महाविद्यालय में पूर्व में आवेदन कर चुके सभी नियमित विद्यार्थियों के लिए लिब्रे ऑफिस, फायरफोक्स, लाईनक्स आदि कोर्सेज अगले सत्र में शुरू किये जायेंगे। सेमेस्टर जनवरी से जून में बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को अगले माह में ही लिब्रे ऑफिस का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसमें छात्र एक सेमेस्टर में अधिकतम तीन कोर्स कर सकता है तत्पश्चात ऑनलाईन टेस्ट द्वारा पास होने पर आईआईटी बॉम्बे द्वारा निःशुल्क प्रमाण पत्र दिया जायेगा। संचालन डॉ. विकास शर्मा, डॉ. संजय भल्ला ने किया। इस दौरान डॉ. विजयबाला श्रीवास्तव, डॉ. पीसी उपाध्याय, रोहिणी माहेश्वरी, डॉ. जुबेर खान, डॉ. अर्चना जोशी, डॉ. पीसी भाटी, राजेन्द्र प्रसाद, डा. राजश बैरवा, डॉ. आशुतोष बिरला, डॉ बीरमदेव, डॉ. विनोद कुमार मौजूद रहे।

शहीदों की स्मृति में

2. प्रशिक्षण, प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रेस कवरेज.

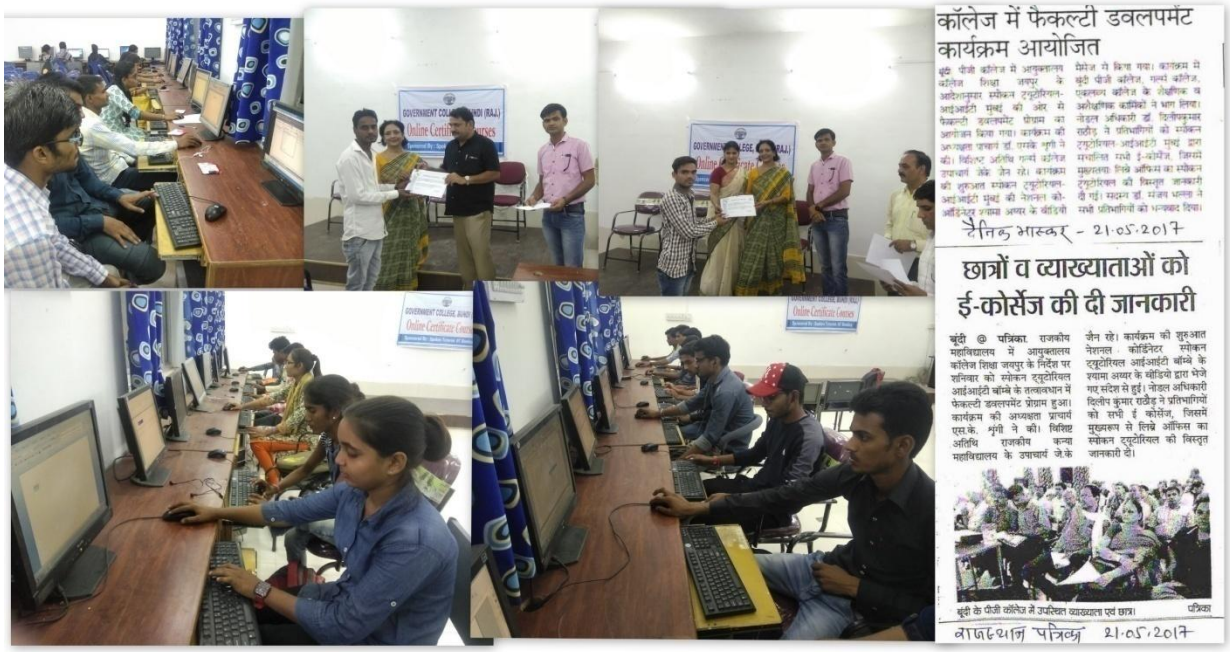

कॉलेज में फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

दैनिक भास्कर - 21.05.2017

छात्रों व व्याख्याताओं को ई-कोर्सेज की दी जानकारी

राजस्थान पत्रिका 21.05.2017

K (Best Practice) नवाचार के लिये किसी विभाग/संस्था/गणमान्य व्यक्ति द्वारा दिया गया प्रशस्ति पत्र अथवा सार्वजनिक उल्लेख –

- उक्त दोनो कोर्सेज को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने पर श्रीमती निधि सोनी, प्रभारी राजस्थान, स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे द्वारा नोडल अधिकारी को बधाई संदेश भेजा गया। (संलग्न)
- आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा दिनाक 13 से 14.10.2017 को जयपुर में आयोजित प्राचार्य मीटिंग में राजकीय महाविद्यालय बून्दी के इस कार्य का सार्वजनिक उल्लेख कर बधाई दी गई।

L लाभार्थी वर्ग की प्रतिक्रिया – प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियो द्वारा भरे गये फीडबैक की कुछ प्रतियां संलग्न है।

M अन्य प्रतिक्रिया –NIL

N विशेष उल्लेख –

राजकीय महाविद्यालय बून्दी ऐसे नवाचारो को भविष्य में जारी रखकर न केवल विद्यार्थी हित बल्कि समाज एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरी रखते हुये सदैव प्रयासरत रहेगा। निकट भविष्य में महाविद्यालय द्वारा निम्न योजनाओं/ कार्यक्रमों/नवाचारो को लागू करने हेतु प्रयासरत है –

- संकाय सदस्यों को SWAYAM PORTAL से जोडकर में ऑनलाईन कन्टेन्ट तैयार करवाना।
- स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे द्वारा सत्र 2018–19 में वार्षिक फीस के रूप में रू0 25000/– जमा कराने का पत्र मिला है। जिससे प्रभारी, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर को अवगत कराया जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही विद्यार्थियो हेतु नये कोर्सेज जैसे Blender, C+.C++ इत्यादि ऑनलाईन कोर्स प्रारम्भ किये जायेगे।
- उक्त महाविद्यालय में इस नवाचार को सफलतापूर्वक कराने में तात्कालीन प्राचार्य एवं कार्यवाहक प्राचार्य का सक्रिय योगदान रहा।

श्रीमान् आयुक्त महोदय, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर, श्री पंकज माथुर प्रभारी– स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर तथा श्रीमति निधि सोनी, प्रभारी राजस्थान, स्पॉकन टयुटोरियल आईआईटी बोम्बे द्वारा इस नवाचार को विद्यार्थी हित में करने का जो अवसर राजकीय महाविद्यालय बून्दी को प्रदान किया इसके लिये महाविद्यालय परिवार आप सभी को धन्यवाद प्रेषित करता है।

दिनांकः 06.08.2018

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बून्दी (राज)

राजस्थान सरकार
कालेज शिक्षा विभाग, जयपुर

विद्यार्थी हित–केन्द्री अथवा संस्था/संकाय सदस्य विकास हेतु राजकीय महाविद्यालयों द्वारा क्रियान्वित/प्रारम्भ किये गये

6. महाविद्यालय का नाम : राजकीय महाविद्यालय बून्दी

7. स्थान का नाम एवं जिला : स्थान : बून्दी जिला : बून्दी

8. क्या महाविद्यालय 2f एवं 12B मान्यता प्राप्त है?: 2f हॉ ☐ नही ☐ 12B हॉ ☐ नही ☐

9- महाविद्यालय द्वार क्रियान्वित/प्रारम्भ किया गया श्रेष्ठ कार्य (Best Practice)/कार्यक्रम/नवाचार का नाम : B विद्यार्थी हित–केन्द्रीः ई–क्लास शिक्षणः एक नवाचार

10.क्रियान्वित/प्रारम्भ किये गये श्रेष्ठ कार्य (Best Practice)/कार्यक्रम/नवाचार का विवरण :–

विद्यार्थी हित–केन्द्री नवाचार

ई–क्लास शिक्षणः एक नवाचार

A (Best Practice) नवाचार के प्रारम्भ होने की तिथि एवं वर्ष :– .....

B (Best Practice) नवाचार को प्रारम्भ करने के उददेश्य :–

- विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल शिक्षण विधियों की ओर प्रेरित करना।

- नवीन आईटी आधारित शिक्षण पद्धत्ति द्वारा विद्यार्थियों तक उनके नियमित पाठ्यक्रम सामग्री को सीधा प्रसारण कर ज्ञानोपार्जन को बढ़ावा देना।
- शिक्षकों की कमी या शून्य पदस्थापन वाले महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तक पाठ्यक्रम सामग्री पहुंचाना।

C क्रियान्वयन की रूपरेखा/योजना प्रारूपः–

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के आदेशानुसार अक्षरशः पालना करते हुए उक्त नवाचार को निम्न योजना स्वरूप में अन्तिम रूप दिया गया–

- महाविद्यालय द्वारा सर्वप्रथम इस नवाचार की क्रियान्विति हेतु कम्प्युटर एंव आईटी में दक्ष संकाय सदस्यों की समिति का गठन किया गया–

  नोडल अधिकारीः **डॉ दिलीप कुमार राठौड़, सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र**
  सहायक नोडल अधिकारीः **श्री मनोज कुमार टटवाल सहायक आचार्य–गणित**
  समिति सदस्यः **श्री राजेन्द्र प्रसाद सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र**
  श्री मोहम्मद शाकिर, सहायक आचार्य–उर्दु

  आयुक्तालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर दिनांक 15.03.2016 में दोनों अधिकारियों ने भाग लेकर इस नवाचार की क्रियान्विति की दिशा में कार्य किया।
- मार्च 2016 में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर द्वारा जारी गाइडलाईन तथा स्वीकृत राशि रू 170000/– के अनुसार महाविद्यालय मे एक ई–क्लास रूम तैयार किया गया, जिसमें रंग–रोगन, पर्दे, LED लाईट्स, फ्लड लाईट्स, लकड़ी का पोडियम, कम्प्युटर, प्रिन्टर, हार्डडिस्क (02), पेनड्राइव, टेबल, कुर्सियां, इनवर्टर तथा बैटरी की व्यवस्था की गई।
- Hi Tech Pvt Ltd द्वारा ई–क्लास रूम की सर्वे की गई।
- नवम्बर 2017 में BSNL बून्दी द्वारा ई–क्लास को 4Mbp इन्टरनेट लीज लाईन से जोड़ा गया।
- वर्ष 2017 में People Link/Hi-tech Pvt ltd द्वारा महाविद्यालय की ई–क्लास में अत्याधुनिक आईटी उपकरण जैसे ई–पोडियम, प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर स्क्रीन, कैमरा (02), LED TV, इनवर्टर, माईक तथा स्पीकर इत्यादि लगाये गये।
- महाविद्यालय के रूसा मद से ई–क्लास में दो एयर कन्डीशनर तथा 80 कुर्सियों की व्यवस्था की गई।
- दिनांक 22.03.2018 से ई–क्लास द्वारा डिजिटल शिक्षण प्रारम्भ हुआ, जिसमें स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाएं पाठ्यक्रमानुसार प्रारम्भ की गई।
- ई–क्लास की समय–सारणी आयुक्तालय जारी प्रति सप्ताह जारी किया जाता था तथा महाविद्यालय स्तर पर संबन्धित विषय की कक्षा होने पर उसी विषय के संकाय सदस्य की विद्यार्थियों के साथ ड्यूटी लगायी जाती थी।
- संबन्धित शिक्षक द्वारा प्रति कक्षा विद्यार्थियों की उपस्थिति लेकर आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर भेजी गई।

D वित्तीय संसाधनः आवश्यकता स्त्रोत एवं व्ययः–

आवश्यकताः

- साफ–सुथरा, रंग–रोगन रहित बड़ा कमरा जिसकी छात्र क्षमता 60 से अधिक हो।
- पर्याप्त लाईट व पॉवर बैकअप की व्यवस्था।
- गहरे रंग के पर्दे।
- अत्याधुनिक आईटी उपकरण जैसे ई–पोडियम, प्रोजेक्टर, प्रोजेक्टर स्क्रीन, कैमरा (02), LED TV, इनवर्टर, माईक, स्पीकर, हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी इत्यादि।
- एयर कन्डीशनर की व्यवस्था।

- अच्छी क्वालिटी की कुर्सियां।
- कम्प्युटर व आईटी में दक्ष कम्प्युटर सहायक/संकाय सदस्य।

स्त्रोतः

ई–क्लास रूम का निर्माण महाविद्यालय में पूर्व में संचालित बीबीए कोर्स रूम में किया गया तथा इसे निम्न स्त्रोतों से तैयार किया गया–

- आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा People link, Hi Tech Pvt Ltd तथा RSLS के माध्यम से।
- महाविद्यालय के RUSA मद तथा छात्र–निधि मद से।

व्ययः

- आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा कुल स्वीकृत राशि रू 170,000/– (रू 120000/– ई क्लास तैयारी हेतु एवं रू 50000/– कम्प्युटर, प्रिन्टर व सहायक सामग्री हेतु)।
- ई–क्लास में रंग–रोगन, पर्दे, स्म लाईट्स, फ्लड लाईट्स (02), लकड़ी का पोडियम, टेबल (01), कुर्सियां (10), हार्डडिस्क (02), पेनड्राइव (03), इनवर्टर तथा बैटरी इत्यादि कार्यों में रू 199096/– तथा कम्प्युटर व प्रिन्टर में 46700/– खर्च किये गये।
- People link द्वारा ई–क्लास में आईटी आधारित शेष उपकरणों को स्थापित किया गया तथा जिसका व्यय आयुक्तालय स्तर पर ही किया गया।
- महाविद्यालय के Rusa मद से दो एयर कन्डीशनर तथा कुल 80 कुर्सियां क्रय की गई।
- महाविद्यालय छात्र–निधि मद से सामान्य स्टेशनरी, बेनर इत्यादि का वहन किया जा रहा है।

E (Best Practice) नवाचार से लाभार्थी कौन ?

विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य।

F (Best Practice) नवाचार की क्रियान्वित में संलग्न मानव संसाधन (प्रत्येक कार्यक्रमवार संलग्न व्यक्तियों के नामों का उल्लेख करे) :

- ई–क्लास रूम के तैयार होन से लेकर शिक्षण प्रारम्भ होने तक प्रमुख रूप से सक्रिय योगदान– डॉ0 दिलीप कुमार राठौड **नोडल अधिकारी एवं सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र।**
- ई–क्लास द्वारा शिक्षण प्रारम्भ होने पर सहायक नोडल अधिकारी श्री मनोज कुमार टटवाल तथा समिति सदस्य श्री राजेन्द्र प्रसाद **सहायक आचार्य– वनस्पति शास्त्र** तथा श्री मोहम्मद शाकिर, **सहायक आचार्य–उर्दु** ने सहयोग दिया।

G क्रियान्वयन के दौरान चिन्हित समस्याएं एवं समाधान –

समस्याएः

- महाविद्यालय में भवन की कमी।
- ई–क्लास के संचालन हेतु कम्प्युटर सहायक कर्मी का अभाव।
- विद्यार्थियों की अधिक संख्या के कारण महाविद्यालय में कम से कम दो ई–क्लास रूम होने आवश्यक है।

समाधान :

- महाविद्यालय में पूर्व में संचालित बीबीए रूम जिसमें गणित विषय की प्रायोगिक कक्षाएं भी होती थी, को ई–क्लास बनाने हेतु चुना गया और तैयार किया गया।
- राजकीय महाविद्यालय में मानव संसाधन की कमी को पूरा करने के साथ साथ वर्ष पर्यन्त ई–क्लास चलाने हेतु प्रति महाविद्यालय एक कम्प्युटर सहायककर्मी की नियुक्ति आवश्यक है। **अभी हाल ही में Hi-Tch Pvt Ltd द्वारा ई–क्लास के रख–रखाव हेतु एक कम्प्युटर सहायक की नियुक्ति की गई है।**

H क्रियान्वयन से लाभ/उपलब्धि :

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा राजकीय महाविद्यालय बून्दी में स्थापित ई–क्लास द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं का सीधा प्रसारण सत्र 2017–18 के **मार्च 2018** से प्रारम्भ हुआ।

- विद्यार्थियों में आईटी आधारित ई–शिक्षण के प्रति रूझान में बढोतरी हुई।
- आईटी आधारित नवीन शिक्षण विधियों के प्रयोग से विद्यार्थियों में ज्ञानोपार्जन की क्षमता के विकास के साथ–साथ अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से जुड़ाव भी होता है।
- महाविद्यालय में जिस विषय में शिक्षक उपलब्ध नहीं है तो ई–क्लास द्वारा विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के शिक्षण का लाभ मिला।
- अन्यत्र महाविद्यालयों के शिक्षकों के ज्ञान का सीधा लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ तथा कालांश के अन्त में प्रश्नोत्तर द्वारा अपनी जिज्ञासाओं का पूरा करने में सहायक है।
- संकाय सदस्यों को इस नवीन शिक्षण प्रणाली से जुड़ने का अवसर मिला।
- महाविद्यालय के कई शिक्षकों जैसे डॉ बी एल सैनी सह–आचार्य राजनीति विज्ञान, डॉ रमेशचन्द मीणा सह–आचार्य हिन्दी, डॉ दिलीप कुमार राठौड़ सहायक आचार्य–वनस्पति शास्त्र, डॉ मनोज कुमार रावत, सहायक आचार्य वनस्पति शास्त्र, डॉ विकास कुमार शर्मा सहायक आचार्य–राजनीति विज्ञान इत्यादि ने पीपीटी द्वारा शिक्षण कार्य में भाग लिया।
- राज्य में ई–क्लास द्वारा शिक्षण में उक्त नवाचार में राजकीय महाविद्यालय बून्दी का नाम अग्रिम महाविद्यालयों की श्रेणी में लिया जाता रहा है। यह महाविद्यालय के लिये गौरव की बात है।

I **(Best Practice) नवाचार की लाभार्थी वर्ग तक जानकारी पहूँचाने हेतु किये गये प्रचार–प्रसार का माध्यम एवं पुनरावृति –**

- स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन किया गया। (प्रति संलग्न)
- महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड, सोशल मीडिया तथा कक्षा–कक्षों में एवं संकाय सदस्यों के माध्यम से ई–क्लास द्वारा शिक्षण को प्रचारित किया।

J **(Best Practice) नवाचार का फोटो/वीडियों रिकार्ड हो तो संलग्न करे** – ***फोटो संलग्न।***

K (Best Practice) नवाचार के लिये किसी विभाग/संस्था/गणमान्य व्यक्ति द्वारा दिया गया प्रशस्ति पत्र अथवा सार्वजनिक उल्लेख –

- राजकीय महाविद्यालय बून्दी में निर्मित ई–क्लास के सफलतापूर्वक संचालन होने पर आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर की संबन्धित टीम द्वारा समय–समय पर प्रशंसा भी की जाती रही है।

L लाभार्थी वर्ग की प्रतिक्रिया – विद्यार्थियों में उक्त नवीन डिजिटल विधि द्वारा शिक्षण के प्रति उत्साह देखा गया साथ ही अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मध्य समन्वय दर्शाते हुये नवीन शिक्षण विधि को सराहते हुये महाविद्यालय एवं आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर को धन्यवाद दिया गया।

M अन्य प्रतिक्रिया –NIL

N विशेष उल्लेख –

राजकीय महाविद्यालय बून्दी ऐसे नवाचारो को भविष्य में जारी रखकर न केवल विद्यार्थी हित बल्कि समाज एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरी रखते हुये सदैव प्रयासरत रहेगा।

श्रीमान् आयुक्त महोदय, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर, द्वारा राजकीय महाविद्यालय बून्दी में विद्यार्थी हित में ई–क्लास का निमार्ण कर नवीन डिजिटल शिक्षण पद्धति के नवाचार करने का जो अवसर को प्रदान किया इसके लिये महाविद्यालय परिवार आपको धन्यवाद प्रेषित करता है।

दिनांकः 06.08.2018

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बून्दी (राज)